SCHOOL

Welcome...

पाठ १५

एक्की-दोक्की

15. एक्की दोक्की

दो बहनें थीं। एक का नाम था एककेसवाली और दूसरी का नाम था दोनकेसवाली। दोनों बहनें अपने अम्मा और बाबा के साथ एक छोटे से घर में रहती थीं।

एककेसवाली का एक ही बाल था इसलिए सब उसे एक्की बुलाते थे। दोनकेसवाली बड़ी घमंडी थी। उसके दो बाल थे इसलिए सब उसे दोक्की बुलाते थे।

अम्मा सोचती थी कि दोक्की जैसी सुंदर लड़की तो दुनिया में है ही नहीं। और बाबा– उनको सोचने की फ़ुरसत ही कहाँ! काम में जो उलझे रहते थे।

दोक्की हमेशा अपनी बहन पर रौब जमाती रहती। एक दिन एक्की घने जंगल में गई। चलते–चलते वह घने जंगल के बीच आ पहुँची। चारों तरफ़ सन्नाटा था। अचानक उसने एक आवाज़ सुनी– पानी! मुझे प्यास लगी है! कोई पानी पिला दो!

एक्की रुकी और उसने चारों तरफ़ घूमकर देखा। वहाँ तो कोई नहीं था। फिर उसने देखा, सूखी, मुरझाई हुई मेहँदी की एक झाड़ी, जिसके पत्ते सरसरा रहे थे।

2019-2020

पास में ही पानी की धारा बह रही थी। एक्की ने चुल्लू में पानी भरकर एक बार, दो बार, कई बार झाड़ी के ऊपर डाला।

मेहँदी की झाड़ी बोली– धन्यवाद एक्की! मैं तुम्हारी ये मदद याद रखूँगी।

एक्की आगे बढ़ गई।

फिर अचानक सन्नाटे में उसे एक और आवाज़ सुनाई दी– मुझे भूख लगी है! कोई मुझे खाना खिला दो!

एक्की ने देखा कि एक मरियल सी गाय पेड़ से बँधी हुई थी।

एक्की ने घास-फूस इकट्ठी की और गाय को खिला दी। उसके बाद उसने गाय के गले में बँधी रस्सी को खोल दिया।

www.punainternationalschool.com email : pisgurukul@gmail.com

धन्यवाद एक्की! मैं तुम्हारी ये मदद हमेशा याद रखूँगी– गाय ने कहा।

एक्की अब चलते–चलते थक गई थी। उसे गर्मी भी लग रही थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि अब वह क्या करे? कहाँ जाए?

तभी उसे दूर एक झोंपड़ी दिखाई दी। एक्की दौड़कर झोंपड़ी तक गई और आवाज़ लगाई– कोई है ?

एक बूढ़ी अम्मा ने दरवाज़ा खोला।

बूढ़ी अम्मा ने कहा– आहा! आ गई मेरी बच्ची? मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी। आओ, अंदर आ जाओ।

एक्की हैरान हो गई और चुपचाप झोंपड़ी में आ गई।

झोंपड़ी में आकर उसे बहुत अच्छा लगा।

बूढ़ी अम्मा ने कहा– आओ बेटी, तुम्हारे लिए नहाने का पानी तैयार है। पहले अच्छी तरह से तेल लगाओ और उसके बाद नहा लो। फिर हम खाना खाएँगे।

एक्की ने शरमाते हुए कहा– नहीं! नहीं!

अम्मा ने पुचकार कर कहा– अरे नहीं क्या! जैसा मैं कहती हूँ वैसा करो।

एक्की ने बूढ़ी अम्मा की बात मान ली।

फिर पता है क्या हुआ?

एक्की ने जैसे ही अपने सिर से तौलिया हटाया तो उसने पाया कि उसके सिर पर एक नहीं परंतु बहुत सारे बाल थे।

एक्की इतनी खुश हुई कि वह खाना खा ही नहीं सकी। बस, बार–बार वह बूढ़ी अम्मा का धन्यवाद ही करती रही!

बूढ़ी अम्मा ने मुस्कुराते हुए कहा– अब तुम घर जाओ बेटी और हमेशा खुश रहो।

एक्की के तो जैसे पंख ही निकल आए। वह सरपट घर की तरफ़ दौड़ चली। रास्ते में उसे गाय ने मीठा–मीठा दूध दिया और झाड़ी ने हाथों पर रचाने के लिए मेहँदी दी।

घर पहुँचकर एक्की ने सारी कहानी सुनाई।

दोक्की कहानी सुनते ही सीधे जंगल की तरफ़ भागी।

दोक्की इतना तेज़ भाग रही थी कि न उसने प्यासी झाड़ी और न ही भूखी गाय की पुकार सुनी।

वह तो धड़धड़ाती हुई झोंपड़ी में घुस गई और बूढ़ी अम्मा को हुक्म दिया– मेरे लिए नहाने का पानी तैयार करो।

हाँ, आओ, मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी। पानी तैयार है, नहा लो– बूढ़ी अम्मा ने दोक्की से कहा।

झटपट नहाने के बाद जैसे ही दोक्की ने तौलिया सिर से हटाया, उसकी तो चीख निकल गई!

दोक्की के दो ही तो बाल थे और वे भी झड़ गए थे।

रोते–रोते दोक्की घर की तरफ़ चलने लगी। रास्ते में उसे गाय ने सींग मारा और मेहँदी की झाड़ी ने काँटे चुभो दिए।

मगर अब दोक्की अपना सबक सीख चुकी थी। इसके बाद एक्की, दोक्की अपने अम्मा–बाबा के साथ खुशी–खुशी रहने लगीं।

2018-2023

www.punainternationalschool.com email : pisgurukul@gmail.com

• कठिन शब्द

१ एक्को

२ दोक्की

३ घमडो

४ फरसत

५ मरझाई

६ मेहदो

७ सन्नाटा

८ धन्यवाद

९ इकट्ठी

१० बँधो

- शब्दार्थ

१ मरियल	–	दुबलो सो
२ घमडो	–	अभिमानो
३ रौब	–	दबदबा
४ पुचकार	–	प्यार जताना
५ जंगल	–	वन
६ सन्नाटा	–	शांति
७ चुल्लू	–	अंजलि
८ हुक्म	–	आदेश

- प्रश्नो के उत्तर लिखो ।

प्रश्न –१) घने जंगल में एक्को को पहले किस की आवाज सुनाई दी?

उत्तरः- एक्को को सूखी, मुरझाई हुई मेहदी की झाड़ी की आवाज सुनाई दी ।

प्रश्न २) एक्को और दोक्को किसके साथ रहती थी?

उत्तरः- एक्को और दोक्को अपने अम्मा और बाबा के साथ रहती थी ।

प्रश्न ३) एक्को और दोक्को का नाम क्या था?

उत्तरः- एक्को का नाम एककेसवाली और दोक्को का नाम दोनकेसवाली था ।

प्रश्न ४) एक्को को कहा आकर बहुत अच्छा लगा ?

उत्तरः- एक्को को झोंपड़ी में आकर बहत अच्छा लगा ।

प्रश्न ५) एक्को ने जैसे ही तौलिया हटाया तो क्या पाया ?

उत्तरः- एक्को ने अपने सिर पर बहुत सारे बाल पाये ।

- नीचे दिए गए निरर्थक शब्दो से सार्थक शब्द बनाओ ।

उदाहरण –लीटेनफो – टेलीफोन

१	बताकि	–	किताब
२	पड़ेक	–	कपडे
३	अलरीमा	–	अलमारी
४	रहिन	–	हिरन
५	तकस्पु	–	पुस्तक
६	कानम	–	मकान

हाथी ' पर निबंध लिखो ।

१ हाथी एक विशालकाय जानवर है ।

२ हाथी के एक लंबी सूड़ , चार पैर , एक छोटी पूछ ,
दो आखे और दो सूप जैसे कान होते है ।

३ हाथी सूड़ की मदद से भारी सामान उठाता है ।

४ हाथी के दो चमकीले दात होते है । वे बहुत ही कीमती
होते है ।

५ पुराने समय में हाथी का उपयोग युद्ध में किया हाता था ।

६ हाथी जंगलों में समूह में रहना ज़्यादा पसंद करते है ।

७ हाथी मनुष्य के लिये बहुत ही उपयोगी जानवर है ।

चित्र देखकर रिक्त स्थान भरो ।

(क) दो बच्चे .... रहे हैं। भाग/रो

(ख) फव्वारे से पानी .... रहा है। बह/गिर

(ग) राधा आइसक्रीम .... रही है। खा/बेच

(घ) कुछ बच्चे अपनी माँ के साथ .... हैं। बैठे/खड़े

पवति :- अलग-अलग पेड़ो के चित्र बनाओ और रंग भरो।

Thank You!